UNIVERSITY OF JAMMU

SEMESTER COURSES

MASTER DEGREE PROGRAMME IN HINDI NEW SYLLABUS WITHOUT CBCS

FIRST SEMESTER

COURSE CODE	TITLE	CREDITS
HIN - 101	Bhartiya Kavya Shashtra	4
HIN - 102	Hindi Sahitya Ka Itihas(upto Reeti Kaal)	4
HIN - 103	Prachin Kavya	2
HIN- 104	Nirgun Kavya	2
HIN - 105	Sagun Kavya	2
HIN- 106	Reeti Kaleen Kavya	2

SECOND SEMESTER

COURSE CODE	TITLE	CREDITS
HIN - 201	Pashchatya Kavya Shastra	4
HIN - 202	Dwivedi Yugin Kavya	2
HIN - 203	Chhayavadi Kavya	2
HIN - 204	Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kaal)	4
HIN - 205	Hindi Upnayas	2
HIN - 206	Hindi Kahani	2

THIRD SEMESTER

COURSE CODE	TITLE	CREDITS
HIN - 301	Bhasha Shashtra	5
HIN - 302	Bhartiya Sahitya	3
HIN - 303	Pragtivadi Tatha Prayogvadi Kavya	3
HIN - 304	Samkaleen Kavita	3
HIN - 305	Kathetar Gadya Sahitya	3
HIN - 306	Hindi Nibandh	3
HIN - 307	Hindi Alochana	3

FOURTH SEMESTER

COURSE CODE	TITLE	CREDITS
HIN - 401	Kathakar Premchand	3
HIN - 402	Tulsidas	3
HIN - 403	Hindi Natak Aur Rangmanch	5
HIN - 404	Prayoja n Moolak Hindi	3
HIN - 405	Hindi Bhasha Ka Itihas	5
HIN - 406	Asmita Mulak Vimarsh	3
HIN - 407	Lok Sahitya	5

Note : All courses are compulsory

FIRST SEMESTER

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 101
Credits : 4
Duration of Examination : 3 Hrs.

Title : Bhartiya Kavya Shastra
Maximum Marks : 100
a) Semester Examination: 80
b) Sessional Assessment: 20

Syllabus for the examination to be held in December - 2015, 2016 & 2017

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई —1

भारतीय आचार्यों के अनुसार काव्य की परिभाषा और स्वरूप, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।
काव्य के रूप — दृश्य, श्रव्य तथा इनके भेद, शब्द शक्ति और उसके भेद।

इकाई —2

भारतीय काव्य शास्त्र के संप्रदाय — रस, अलंकार, रीति, प्रमुख आचार्य एवं उनकी स्थापनाएँ।

इकाई —3

ध्वनि, वक्रोक्ति एवं औचित्य संप्रदाय — प्रमुख आचार्य एवं उनकी स्थापनाएँ।

इकाई —4

रस निष्पत्ति और साधारणीकरण, रस निष्पत्ति की प्रक्रिया, सहृदय की अवधारणा, रसनिष्पति सूत्र की व्याख्या और तद्विषयक विभिन्न मत (भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनवगुप्त)।

साधारणीकरण — भट्टनायक, अभिनवगुप्त, जगन्नाथ, विश्वनाथ और रामचंद्र शुक्ल के विशेष सन्दर्भ में विवेचन।

संस्तुत पुस्तकें

1. भारतीय काव्य शास्त्र — चौधरी सत्यदेव।
2. काव्य के रूप — गुलाब राय।
3. सिद्धान्त और अध्ययन — गुलाब राय।
4. रस–सिद्धान्त की दार्शनिक व्याख्या — डॉ. तारकनाथ बाली।
5. भारतीय काव्य–शास्त्र की परम्परा — डॉ. नगेन्द्र।
6. भारतीय काव्य शास्त्र — रामानंद शर्मा।
7. साहित्य शास्त्र — रामशरण दास गुप्त, राजकुमार।
8. भारतीय काव्य शास्त्र के सिद्धान्त — कृष्णदेव शर्मा।
9. समीक्षा शास्त्र के मानदण्ड — डॉ. रामसागर त्रिपाठी।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा।
2. प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा।
3. प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा।
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा।

अंक विभाजन इस प्रकार होगा :–

दीर्घ उत्तरापेक्षी (आलोचनात्मक प्रश्न)	= 11X4=44
लघु उत्तरापेक्षी	= 5X4=20
अति लघु उत्तरापेक्षी	= 3X4=12
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	= 1X4=04
कुल जोड़	= 80

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin- 102 | **Title : Hindi Sahitya Ka Itihas (upto Reeti Kaal)**

Credits : 4 | **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 3 Hrs. | **a) Semester Examination: 80**

b) Sessional Assessment: 20

Syllabus for the examination to be held in December - 2015, 2016 & 2017

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई —1

इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधार भूत सामग्री, साहित्येतिहास पुनर्लेखन की समस्या, हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण।

इकाई —2

1. आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ–साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य।
2. आदिकाल की प्रवृत्तियां।
3. आदिकाल का नामकरण।
4. आदिकालीन गद्य साहित्य।

इकाई —3

1. भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन।
2. निर्गुण काव्य की विशेषताएं एवं प्रमुख निर्गुण कवियों का योगदान।
3. सगुण काव्य की विशेषताएं एवं प्रमुख कवियों का योगदान।
4. भक्तिकालीन भक्तीत्तर साहित्य : सामान्य परिचय।

इकाई —4

1. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।
2. रीतिकाल का नामकरण।
3. रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त और रीतिसिद्ध) रीतिकालीन प्रवृत्तियां।
4. रीतिकालीन गद्य साहित्य : सामान्य परिचय।

संस्तुत पुस्तकें

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास — रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य उदभव और विकास — हज़ारी प्रसाद द्विवेदी।
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — रामकुमार वर्मा।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास — डॉ. नगेन्द्र।
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास — हुकुम चन्द राजपाल।
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह।
7. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास — राजनाथ शर्मा।
8. हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास — किशोरी लाल गुप्त।
9. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास — गणपति चन्द्र गुप्त।
10. साहित्यिक निबन्ध — गणपति चन्द्र गुप्त।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा।
2. प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा।
3. प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा।
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा।

अंक विभाजन इस प्रकार होगा :–

दीर्घ उत्तरापेक्षी (आलोचनात्मक प्रश्न)	= 11X4=44
लघु उत्तरापेक्षी	= 5X4=20
अति लघु उत्तरापेक्षी	= 3X4=12
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	= 1X4=04
कुल जोड़	= 80

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin-103 | **Title : Prachin Kavya**
Credits : 2 | **Maximum Marks : 50**
Duration of Examination : 2 Hrs. | **a) Semester Examination: 40**
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the examination to be held in December - 2015, 2016 & 2017

सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

1. चन्दवरदाई पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय के पहले 35 पद)।
2. विद्यापति पदावली — सं. रामवृक्षबेनी पुरी (वंदना — तीन पद, नखशिख — पहले 12 पद, विरह — पहले 10 पद, कुल — 25 पद।

पाठ्यक्रम का विवरण

1. 'रासो' शब्द की व्युत्पति एवं रासो काव्य–परम्परा।
2. पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता।
3. पृथ्वीराज रासो का महाकाव्यत्व।
4. पद्मावती समय का काव्य–सौष्ठव।
5. विद्यापति की लोक चेतना।
6. विद्यापति भक्त अथवा श्रृंगारी कवि।
7. विद्यापति का विरह–वर्णन।
8. पदावली की काव्य–भाषा।

संस्तुत पुस्तकें

1. रासो विमर्श — माताप्रसाद गुप्त।
2. रासो काव्य परम्परा — सुमन राजे।
3. चन्दबरदई और उनका काव्य — विपिन बिहारी।
4. विद्यापति — डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित।
5. विद्यापति — मनमोहन सहगल।
6. विद्यापति : युग साहित्य — अरविंद नारायण सिन्हा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा। इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अवतरण दिया जाएगा।
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे।
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे।
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा।

अंक विभाजन इस प्रकार होगा :–

व्याख्या	= 5X2=10
दीर्घ उत्तरापेक्षी	= 9X2=18
लघु उत्तरापेक्षी	= 4X2=08
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	= 4X1=04
कुल जोड़	= 40

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 104 | **Title : Nirgun Kavya**
Credits : 2 | **Maximum Marks : 50**
Duration of Examination : 2 Hrs. | **a) Semester Examination: 40**
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the examination to be held in December - 2015, 2016 & 2017

सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

1. कबीर — आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (सं.)
   (पद संख्या — 175 से 200 तक)।
2. जायसी ग्रंथावली — आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (सं.)
   (स्तुति खण्ड, नागमती–वियोग खण्ड)।

पाठ्यक्रम का विवरण

1. कबीर का रहस्यवाद।
2. कबीर का सामाजिक बोध।
3. कबीर का काव्य–शिल्प।
4. संत काव्य परम्परा में कबीर का स्थान।
5. पद्मावत अन्योक्ति और समासोक्ति।
6. नागमती का विरह वर्णन।
7. पद्मावत की सांस्कृतिक दृष्टि।
8. सूफी काव्य–परम्परा में जायसी का स्थान।

संस्तुत पुस्तकें

1. कबीर — हज़ारी प्रसाद द्विवेदी।
2. कबीर साहित्य की परख — परशुराम चतुर्वेदी।
3. पद्मावत का काव्य वैभव — मनमोहन गौतम।
4. मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य – शिव सहाय पाठक।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा। इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अवतरण दिया जाएगा।
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे।
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे।
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा।

अंक विभाजन इस प्रकार होगा :–

व्याख्या	= 5X2=10
दीर्घ उत्तरापेक्षी	= 9X2=18
लघु उत्तरापेक्षी	= 4X2=08
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	= 4X1=04
कुल जोड़	= 40

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 105 | **Title : Sagun Kavya**
Credits : 2 | **Maximum Marks : 50**
Duration of Examination : 2 Hrs. | **a) Semester Examination: 40**
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the examination to be held in December - 2015, 2016 & 2017

व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

1. सूरदास — भ्रमरगीत सार, सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल
   (पद 21 से 45 तक, कुल 25 पद)।
2. तुलसीदास — विनयपत्रिका (पद संख्या 71 से 90 पद तक, कुल 20 पद)।
   (केवल गीता प्रेस गोरखपुर द्वारा प्रकाशित ग्रंथ का पाठ ही मान्य होगा)

पाठ्यक्रम का विवरण

1. सूरदास की भक्ति–भावना।
2. सूरदास की विरह–वर्णन।
3. भ्रमरगीत परम्परा में सूरदास का स्थान।
4. भ्रमरगीत का काव्य सौष्ठव।
5. तुलसीदास का समन्वयवाद/लोकनायकत्व।
6. तुलसीदास की दार्शनिकता।
7. तुलसीदास की भक्ति भावना।
8. तुलसीदास का काव्य सौष्ठव।

संस्तुत पुस्तकें

1. सूरदास — नंददुलारे वाजपेयी।
2. सूरदास — आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
3. गोस्वामी तुलसीदास — आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
4. तुलसी काव्य दर्शन — डॉ. रामलाल सिंह।
5. तुलसी साहित्य सुधा — डॉ. भगीरथ मिश्र।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा। इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अवतरण दिया जाएगा।
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे।
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे।
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा।

अंक विभाजन इस प्रकार होगा :–

व्याख्या	= 5X2=10
दीर्घ उत्तरापेक्षी	= 9X2=18
लघु उत्तरापेक्षी	= 4X2=08
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	= 4X1=04
कुल जोड़	= 40

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 106 | **Title : Riti Kaleen Kavya**
Credits : 2 | **Maximum Marks : 50**
Duration of Examination : 2 Hrs. | **a) Semester Examination: 40**
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the examination to be held in December 2015, 2016 & 2017

सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

1. बिहारी सार्धशती — डॉ. ओम प्रकाश, प्रकाशत राजपाल एण्ड सन्ज़, नई दिल्ली। (व्याख्या के लिए दोहा संख्या — 1,4,8 से 16,19,24 से 26, 30, 31, 34, 35, 46, 48, 50, 60, 68, 77, 84, 91, 93, 94, 97, 100, 115, 116, 141, 142) (कुल 35 दोहे)।
2. घनानंद कवित्त, सम्पादक — विश्वनाथ मिश्र, प्रकाशक — सरस्वती मंदिर, वाराणसी (व्याख्या के लिए पहले 30 पद)

पाठ्यक्रम का विवरण

बिहारी

1. सतसंई परम्परा में बिहारी।
2. बिहारी की रस योजना।
3. बिहारी का बहुज्ञता।
4. बिहारी की काव्यकला।
5. घनानंद प्रेम व्यंजना।
6. घनानंद का श्रृंगार वर्णन।
7. घनानंद की काव्यकला
8. घनानंद की भक्ति–भावना

संस्तुत पुस्तकें

1. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि — द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
2. बिहारी सतसई का सांस्कृतिक अध्ययन — डॉ. श्याम सुन्दर दूबे।
3. बिहारी व्यक्तित्व एवं जीवन–दर्शन — रमेश चंद्र गुप्त।

4. बिहारी सतसई : तुलनात्मक अध्ययन — पद्मसिंह शर्मा।
5. बिहारी सतसई का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन — रामकुमारी मिश्र।
6. बिहारी का नया मूल्यांकन — बच्चन सिंह।
7. घनानंद की काव्यकला — विजयपाल सिंह।
8. घनानंद — डॉ. गणेश दत्त सारस्वत।
9. घनानंद काव्यदर्शन — डॉ. सहदेव वर्मा।
10. घनानंद संवेदना और शिल्प — राजबुद्धिराजा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा। इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अवतरण दिया जाएगा।
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे।
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित ग्रन्थ से सम्बन्धित एक–एक (कुल दो) लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे।
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा।

अंक विभाजन इस प्रकार होगा :–

व्याख्या	= 5X2=10
दीर्घ उत्तरापेक्षी	= 9X2=18
लघु उत्तरापेक्षी	= 4X2=08
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	= 4X1=04
कुल जोड़	= 40

SECOND SEMESTER

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 201
Credits : 4
Duration of Examination : 3 Hrs.

Title : Pashchatya Kavya Shastra
Maximum Marks : 100
a) Semester Examination: 80
b) Sessional Assessment: 20

Syllabus for the Examination to be held in - May 2016, 2017 & 2018

इकाई —1

(क) प्लेटो और अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत।

(ख) अरस्तु का विरेचन सिद्धांत।

(ग) लोंजाइनस — उदात्त सिद्धांत।

(घ) ड्राइजन — त्रासदी की अवधारणा।

इकाई —2

(क) वर्ड्स्वर्थ — काव्य भाषा।

(ख) मैथ्यु आर्नल्ड — कविता जीवन की आलोचना।

(ग) टी.एस. इलियट — परम्परा और निर्वैयक्तिकता, वस्तुनिष्ठ, सहसंबंध।

(घ) आई.ए.रिचर्ड — संप्रेषण का सिद्धांत।

इकाई —3

(क) अभिव्यंजनावाद।

(ख) मनोविश्लेषणवाद।

(ग) यथार्थवाद।

(घ) अस्तित्ववाद।

इकाई —4

(क) संरचनावाद — सस्यूर और रोलां बाथ की प्रमुख स्थापनाएँ।

(ख) स्त्रीवादी आलोचना — वर्जीनिया वुल्फ, सिमोन दा वोउवार (Simon de Beauvoir), इलेन शोआल्टर (Elaine Showalter) और मिशेल बारेट (Michele Barret) की मुख्य स्थापनाएँ।

(ग) आधुनिकता।

(घ) उत्तर आधुनिकता के सन्दर्भ में साहित्य की मृत्यु, लेखक की मृत्यु और विचार की मृत्यु।

(ङ) जैक देरीदा — विखंडनवाद का परिचय।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 11X4=44
2. प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 5X4=20
3. प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 3X4=12
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे, इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 202
Credits : 2
Duration of Examination : 2 Hrs.

Title : Dwivedi Yugin Kavya
Maximum Marks : 50
a) Semester Examination: 40
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the examination to be held in May - 2016, 2017 & 2018

व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (केवल नवम् सर्ग)।
2. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध': 'प्रियप्रवास' (प्रथम तीन सर्ग)।

पाठ्यक्रम का विवरण

1. रामकाव्य परम्परा में साकेत का स्थान।
2. साकेत का महाकाव्यत्व।
3. उर्मिला का विरह वर्णन।
4. नवम् सर्ग का कलागत वैशिष्ट्य।
5. कृष्णकाव्य परम्परा में प्रियप्रवास का स्थान।
6. प्रियप्रवासकार की मौलिक उद्भावनाएँ।
7. प्रियप्रवास : महाकाव्यत्व।
8. प्रियप्रवास : काव्य सौन्दर्य।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा। इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक व्याख्या पूछी जाएगी। 5X2=10
2. प्रत्येक निर्धारित पुस्तक पर आधारित एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा। 9X2=18
3. प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 4X2=08
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

संस्तुत पुस्तकें

1. आज के प्रतिनिधि कवि — राजकिशोर यादव।
2. आधुनिक प्रतिनिधि कवि — द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
3. साकेत एक अध्ययन — डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. मैथिलीशरण गुप्त : एक मूल्यांकन, राजीव सक्सेना, हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली।
5. हरिऔध और उनका साहित्य, मुकुंददेव शर्मा, नंद किशोर ब्रदर्ज, वाराणसी।
6. प्रिय प्रवास और साकेत की आदर्शगत तुलना, श्री बल्लभ शर्मा, मंगल प्रकाशन, जयपुर।
7. प्रियप्रवास में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 203 | **Title : Chhaya Vadi Kavya**
Credits : 2 | **Maximum Marks : 50**
Duration of Examination : 2 Hrs. | **a) Semester Examination: 40**
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the examination to be held in May - 2016, 2017 & 2018

व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

1. जयशंकर प्रसाद — कामायनी (चिन्ता और श्रद्धा सर्ग)।
2. महादेवी वर्मा — सन्धिनी (छाया की आंखमचौनी), इस एक बूंद आँसू में, शून्यता में निद्रा का बन दिया क्यों जीवन का वरदान, तुम हो विधु के बिंब, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मधुर–मधुर मेरे दीपक जल, मैं नीर भरी दुःख की बदली, विरह का जलजात जीवन (कुल — नौ गीत)

पाठ्यक्रम का विवरण

1. कामायनी में दार्शनिकता।
2. कामायनी का काव्य रूप/महाकाव्य।
3. कामायनी में इतिहास और कल्पना।
4. कामायनी में रूपक तत्व।
5. महादेवी की विरहानुभूति।
6. महादेवी की गति विशेषताएँ।
7. महादेवी की रहस्य भावना।
8. महादेवी की काव्य कला।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक पुस्तक से एक–एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 5X2=10
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक पुस्तक से एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 9X2=18
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक पुस्तक से एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 4X2=08
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

संस्तुत पुस्तकें

1. कामायनी : एक अध्ययन : डॉ. नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाऊस।
2. कामायनी अनुशीलन, रामलाल सिंह, इण्डिया प्रेस लिमिटेड, प्रयाग।
3. कामायनी, एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
5. कामायनी मूल्यांकन और मूल्यांकन, इन्द्रनाथ मदान, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. महादेवी : नया मूल्यांकन, डॉ. गणपतिचन्द्रगुप्त, भारतेन्दु भवन लोअर बाजार, शिमला।
7. महादेवी साहित्य : एक नया दृष्टिकोण : पद्यम सिंह चौधरी, अपोलो प्रकाशन, जयपुर – 3 ।
8. महादेवी का काव्य, एक विश्लेषण, डॉ. दुर्गाशंकर मिश्र, हिन्दी साहित्य भण्डार, 55, चौपाटियाँ रोड, लखनऊ – 3 ।

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 204 | **Title : Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kaal)**

Credits : 4 | **Maximum Marks : 100**

Duration of Examination : 3 Hrs. | **a) Semester Examination: 80**

b) Sessional Assessment: 20

Syllabus for the Examination to be held in - May 2016, 2017 & 2018

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई –1

1. अंग्रेजी राज्य की स्थापना और आधुनिक युग, नवोत्थान, गद्य के प्रारम्भिक उन्नायक, उन्नीसवीं शताब्दी के प्रमुख गद्यकार।

इकाई –2

2. भारतेन्दु युग की कविता और उसकी प्रवृत्तियां।
3. द्विवेदी युग — बीसवीं शताब्दी के प्रमुख गद्यकार, द्विवेदी युग की कविता और उसकी प्रवृत्तियां।

इकाई –3

4. वादों की कविता — छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद।
5. वादमुक्त कविता — नई कविता, अकविता, विचार कविता, नवगीत।

इकाई –4

6. गद्य विधाएं — कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध आलोचना

संस्तुत पुस्तकें

1. हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी — नंद दुलारे वाजपेयी
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका — लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
3. आधुनिकर साहित्य की प्रवृत्तियां — नामवर सिंह।
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास — डॉ. बच्चन सिह।
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य — विकास के विविध पुष्पपाल सिंह।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 11X4=44
2. प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 5X4=20
3. प्रत्येक इकाई में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 3X4=12
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे, इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 205 | **Title : Hindi Upnayas**
Credits : 2 | **Maximum Marks : 50**
Duration of Examination : 2 Hrs. | **a) Semester Examination: 40**
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the examination to be held in - May 2016, 2017 & 2018

निर्धारित पुस्तकें

1. मैला आंचल — फनीश्वरनाथ रेणू।
2. त्यागपत्र — जैनेन्द्र कुमार।

पाठ्यक्रम का विवरण

1. मैला आंचल की समस्याएं।
2. मैला आंचल की लोक–संस्कृति।
3. आंचलिक उपन्यास परम्परा और मैला आंचल।
4. मैला आंचल के पात्र।
5. त्यागपत्र की समस्याएँ।
6. त्यागपत्र में नारी मनोविज्ञान।
7. मनोविश्लेषणवादी उपन्यास और त्यागपत्र।
8. त्यागपत्र के पात्र।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा। इसमें प्रत्येक पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक व्याख्या पूछी जाएगी। 5X2=10
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित पुस्तक से सम्बन्धित एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 9X2=18
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से सम्बन्धित एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएँगे। 4X2=08
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 206 | **Title : Hindi Kahani**
Credits : 2 | **Maximum Marks : 50**
Duration of Examination : 2 Hrs. | **a) Semester Examination: 40**
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the examination to be held in - May 2016, 2017 & 2018

सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

1. परिन्दे — निर्मल वर्मा।
   (डायरी का खेल, माया का मर्म, सितम्बर की एक शाम और 'परिन्दे' कुल चार कहानियाँ)
2. बादलों के घेरे — कृष्णा सोबती।
   (बादलों के घेरे, दादी अम्मा, बदली बरस गयी, कुछ नहीं कोई नहीं और सिक्का बदल गया कुल पाँच कहानियाँ)।

पाठ्यक्रम का विवरण

1. नयी कहानी के आधार पर 'परिन्दे' कहानी संग्रह।
2. अस्तित्ववादी विचारधारा और 'परिन्दे' कहानी संग्रह।
3. निर्मल वर्मा की कहानियों का परिवेश।
4. निर्मल वर्मा की कथा–शैली।
5. कृष्णा सोबती की कहानियों में नारी मनोविज्ञान।
6. निर्धारित कहानियों पर आधारित मूल संवेदना/चरित्र।
7. कृष्णा सोबती की कथा शैली।
8. महिला कहानीकारों में कृष्णा सोबती का स्थान।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा —

1. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ निर्धारित दोनों क्हानीकारों की कहानियों से एक–एक व्याख्या पूछी जाएगी। 5X2=10
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उतरापेक्षी प्रश्न होगा। 9X2=18
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तर होगा। 4X2=08
4. चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। जिनमें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

THIRD SEMESTER

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 301
Credits : 5
Duration of Examination : 3 Hrs.

Title : Bhasha Shastra
Maximum Marks : 100
a) Semester Examination: 80
b) Sessional Assessment: 20

Syllabus for the Examination to be held in December - 2016, 2017 & 2018

भाषा–शास्त्र

इकाई —1 वर्णनात्मक भाषा विज्ञान और समाज भाषा विज्ञान

(क) भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण।

(ख) भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार।

(ग) भाषा विज्ञान का नामकरण, परिभाषा और क्षेत्र।

(घ) भाषा विाान के अध्ययन की दिशाएं — वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई —2

(क) समाज भाषविज्ञान का परिचय।

(ख) समाज भाषा विज्ञान और वर्णनात्मक भाषा–विज्ञान में अन्तर।

(ग) समाज भाषा विज्ञान और भाषा के समाज शास्त्र में अन्तर।

इकाई —3 स्वानिकी (ध्वनि विज्ञान)

(क) परिभाषाएं — स्वन, स्वानिकी, स्वर और व्यंजन।

(ख) वाक् अवयवों का परिचय।

(ग) स्वरों का प्राचीन और अर्वाचीन वर्गीकरण।

(घ) मानस्वर।

(ङ) घोषत्व, प्राणत्व, स्थान और प्रयत्न के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण।

इकाई —4 स्वानिमी (ध्वनिग्राम विज्ञान)

(क) स्वनिम की परिभाषा, स्वरूप और भेद।

(ख) स्वनिम और संस्वन में भेद।

(ग) स्वनिम विश्लेषण पद्धति — सूचक, सामग्री संकलन, संकलित सामग्री से निम्नतम युग्मों और संदिग्ध युग्मों को छांटना, वितरण के आधार पर स्वनिम और संस्वन की पहचान।

इकाई —5 मर्ष विज्ञान (रूप विज्ञान) और वाक्य विज्ञान

(क) परिभाषाए — शब्द, पद, धातु (Root) और प्रातिपादिक (Stem)।

(ख) मर्षिम की परिभाषा और भेद।

(ग) व्याकरणिक कोटियों का परिचय।

(घ) वाक्य की परिभाषा और भेद।

(ङ) समीपी संघटक (निकटस्थ अवयव)।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 11X4=44

2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 5X4=20

3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 3X4=12

4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे, इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

नोट — विद्यार्थियों को चार दीर्घ, चार लघु, चार अति लघु एवं चार वस्तुनिष्ट प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 302 | **Title : Bhartiya Sahitya**
Credits : 3 | **Maximum Marks : 50**
Duration of Examination : 2½ Hrs. | **a) Semester Examination: 40**
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the Examination to be held in December - 2016, 2017 & 2018

निर्धारित पुस्तकें

1. उपन्यास :'गोरा' लेखक — रवीन्द्र नाथ टैगोर।
2. उपन्यास : गाइड लेखक — आर.के. नारायण।

पाठ्यक्रम का विवरण

1. भारतीयता की अवधारणा और 'गोरा'।
2. रवीन्द्रनाथ टैगोर का साहित्यिक परिचय।
3. 'गोरा' में व्यक्त बंगाली समाज।
4. टैगोर का विश्व–बोध (गोरा के विशेष संदर्भ में)।
5. भारतीयता की अवधारणा और गाईड।
6. गाईड का वस्तु विन्यास।
7. गाईड की सोद्देश्यता।
8. शिल्प विधान।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा। इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अवतरण दिया जाएगा। 5X2=10
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से एक–एक (कुल दो) दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाऐंगे। 9X2=18
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से एक–एक (कुल दो) लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएँगे। 4X2=08
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 303 **Title : Pragtivadi Tatha Prayogvadi Kavya**

Credits : 3 **Maximum Marks : 50**

Duration of Examination : 2½ Hrs. **a) Semester Examination: 40**

b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the Examination to be held in December - 2016, 2017 & 2018

नागार्जुन प्रतिनिधि कविताएं (सम्पादक :)

1. प्रतिबद्ध हूँ, खुरदरे पैर, लालू साहू, तेरी खोपड़ी के अन्दर, बादल को घिरते देखा है, पैने दाँतो वाली, अकाल और उसके बाद, आओ रानी हम दोएंगे, पालकी, शासक की बंदूक तथा कर दो वमन (10 कविताएं)।
2. अज्ञेय (प्रतिनिधि कविताएं)
   हमने पोधे से कहा, आज थका हिय हारिल मेरा सम्राज्ञी का नैवेद्य, दाता और भिखारी, शब्द और सत्य, नदी के द्वीप, कितनी नावों में कितनी बार, मैं वहाँ हूँ, सोन मछली, सत्य तो बहुत मिली तथा नाच।

पाठ्यक्रम का विवरण

1. प्रगतिवादी कविता एवं नागार्जुन।
2. नागार्जुन की जन–चेतना।
3. नागार्जुन का व्यंग्य।
4. नागार्जुन का शिल्प–विधान।
5. प्रयोगवाद एवं अज्ञेय।
6. अज्ञेय की काव्य–सवेदना।
7. अज्ञेय की प्रतीक–योजना।
8. अज्ञेय की काव्य भाषा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा। इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से एक–एक अवतरण शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दिया जाएगा। 5X2=10
2. प्रत्येक निर्धारित पुस्तक पर आधारित दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा। 9X2=18
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित पुस्तक पर आधारित एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न। 4X2=08
4. समस्त पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न। 1X4=04

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 304 | **Title : Samkaleen Kavita**
Credits : 3 | **Maximum Marks : 50**
Duration of Examination : 2½ Hrs. | **a) Semester Examination: 40**
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the Examination to be held in December - 2016, 2017 & 2018

निर्धारित पुस्तकें

1. चाँद का मुँह टेढ़ा है — मुक्तिबोध, सिर्फ 'अंधेरे में'।
2. संसद से सड़क तक — कविता, नकसलवादी मोचीराम और पटकथा।

पाठ्यक्रम

1. मुक्तिबोध की काव्यदृष्टि।
2. मुक्तिबोध और समकालीन कविता।
3. मुक्तिबोध की काव्यकला।
4. 'अंधेरे में' का वैशिष्ट्य।
5. धूमिल का काव्यदृष्टि।
6. धूमिल और समकालीन कविता।
7. धूमिल की काव्यकला।
8. 'पटकथा' का मूल्यांकन।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा। इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से एक–एक अवतरण शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दिया जाएगा। 5X2=10
2. प्रत्येक निर्धारित पुस्तक पर आधारित दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा। 9X2=18
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित पुस्तक पर आधारित एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न। 4X2=08
4. समस्त पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न। 1X4=04

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. हिन्दी का संस्मरण साहित्य — कमलेश्वर शरण सहाय।
2. निराला की साहित्य साधना — रामविलास शर्मा।
3. निराला — सम्पादक — पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश'।
4. आत्मकथा की संस्कृति — पंकज चतुर्वेदी।

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 305 | **Title : Kathetar Gadya Sahitya**
Credits : 3 | **Maximum Marks : 50**
Duration of Examination : 2½ Hrs. | **a) Semester Examination: 40**
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the Examination to be held in December - 2016, 2017 & 2018

निर्धारित पुस्तकें

1. कुल्लीभाट — सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'।
2. पिंजरे की मैना — चन्द्र किरण सौनरेक्सा।

पाठ्यक्रम का विवरण

1. संस्मरण साहित्य के विकास में निराला का स्थान।
2. यथार्थवादी चेतना और कुल्लीभाट।
3. कुल्लीभाट की समीक्षा।
4. कुल्लीभाट का उद्देश्य।
5. स्त्रियों द्वारा लिखित आत्मकथाओं में "पिंजरे की मैना" का स्थान।
6. ''पिंजरे की मैना" का युगीन सन्दर्भ।
7. प्रगतिशील चेतना और चन्द्र किरण सौनरेक्सा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा। इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से एक–एक अवतरण शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दिया जाएगा। 5X2=10
2. प्रत्येक निर्धारित पुस्तक पर आधारित दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जाएगा। 9X2=18
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित पुस्तक पर आधारित एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न। 4X2=08
4. समस्त पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न। 1X4=04

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 306 | **Title : Hindi Nibandh**
Credits : 3 | **Maximum Marks : 50**
Duration of Examination : 2½ Hrs. | **a) Semester Examination: 40**
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the Examination to be held in December - 2016, 2017 & 2018

निर्धारित पुस्तकें

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल — चिन्तामणि भाग–1 (श्रद्धा और भक्ति, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था) कुल दो निबन्ध।
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी — अशोक के फूल (अशोक के फूल, बसंत आ गया है, भारतीय संस्कृति की देन) कुल तीन निबन्ध।

पाठ्यक्रम का विवरण

1. शुक्ल के निबन्धों की विशेषताएँ।
2. शुक्ल के निबन्ध भावप्रधान हैं या बुद्धि प्रधान।
3. शुक्ल के निबन्धों की भाषा शैली।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों पर प्रश्न।
5. द्विवेदी के निबन्धों की विशेषताएं।
6. द्विवेदी के निबन्धों में व्यक्त भारतीय संस्कृति।
7. द्विवेदी के निबन्धों की भाषा शैली।
8. पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों पर प्रश्न।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ निर्धारित पुस्तक से एक–एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 5X2=10
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 9X2=18
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 4X2=08
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 307 | **Title : Hindi Aalochna**
Credits : 3 | **Maximum Marks : 50**
Duration of Examination : 2½ Hrs. | **a) Semester Examination: 40**
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the Examination to be held in December - 2016, 2017 & 2018

पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तकें

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल — चिन्तामणि भाग–1 ।
   (कविता क्या है, साधारणीकरण और व्यक्तिवैचित्र्यवाद कुल दो लेख)
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी — कबीर।
   (व्यक्तित्व विश्लेषण, भारतीय धर्म साधना में कबीर का स्थान, उपसंहार — कुल तीन लेख)

निर्धारित प्रश्न

1. शुक्ल के आलोचना सिद्धान्त।
2. शुक्ल की काव्य सम्बन्धी मान्यताएं।
3. निर्धारित लेखों पर समीक्षा।
4. हिन्दी आलोचना में शुक्ल का स्थान।
5. आचार्य द्विवेदी के आलोचना सिद्धांत।
6. द्विवेदी की कबीर विषयक स्थापनाएं।
7. निर्धारित लेखों पर समीक्षा।
8. हिन्दी आलोचना में द्विवेदी का स्थान।

प्रश्नपत्र का स्वरूप इस प्रकार होगा —

1. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दोनों आलोचकों के लेखों पर आधारित एक–एक व्याख्या पूछी जायेगी। 5X2=10
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उतरापेक्षी प्रश्न पूछा जायेगा। 9X2=18
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उतरापेक्षी प्रश्न पूछा जायेगा। 4X2=08
4. विकल्प रहित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। 1X4=04

FOURTH SEMESTER

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 401
Credits : 3
Duration of Examination : 2½ Hrs.

Title : Kathakar Prem Chand
Maximum Marks : 50
a) Semester Examination: 40
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the Examination to be held in May - 2017, 2018 & 2019

पाठ्यक्रम का विवरण

निर्धारित पुस्तकें

1. उपन्यास : गोदान।
2. कहानी संग्रह : 'प्रेमचन्द कहानी का श्रेष्ठ', संपादक : महेन्द्र कुलश्रेष्ठ, प्रकाशक : शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियां

1. नमक का दारोगा।
2. पूस की रात।
3. ईदगाह।
4. कफन।

पाठ्यक्रम का विवरण

गोदान

1. गोदान में आदर्श और यथार्थ।
2. गोदान : कृषक जीवन का महाकाव्य।
3. गोदान में ग्रामीण ओर नागरिक कथाओं का विवेचन।
4. गोदान के प्रमुख पात्र — होरी, धनिया।

प्रेमचन्द कहानी का श्रेष्ठ —

1. कथाकार प्रेमचन्द।
2. प्रेमचन्द की कहानियों में यथार्थ चेतना।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों का समीक्षात्मक अध्ययन।
4. प्रेमचन्द की कथा–शैली।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा। इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अवतरण दिया जाएगा। 5X2=10
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से एक–एक (कुल दो) दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाऐंगे। 9X2=18
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से एक–एक (कुल दो) लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे। 4X2=08
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे। इसें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 402
Credits : 3
Duration of Examination : 2½ Hrs.

Title : Tulsi das
Maximum Marks : 50
a) Semester Examination: 40
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the Examination to be held in May - 2017, 2018 & 2019

निर्धारित पुस्तकें

1. रामचरित मानस — अयोध्या काण्ड (मांगीनाथ न केवट आना से आगे 20 दोहे तक)।
2. कवितावली : बालकाण्ड — 1 से 17
   अयोध्याकाण्ड — 18 से 25
   सुंदरकाण्ड — 5 से 14

पाठ्यक्रम का विवरण

1. रामचरितमानस का काव्य रूप।
2. रामचरितमानस का प्रतिपाद्य और नामकरण।
3. अयोध्याकाण्ड का वैशिष्ट्य।
4. भक्ति काव्य और राम की अवधारणा।
5. कवितावली : वैशिष्ट्य।
6. कवितावली : भाव व्यंजना।
7. तुलसी की काव्य कला।
8. तुलसी : आधुनिक संदर्भ में।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा। इसमें प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अवतरण दिया जाएगा। 5X2=10
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से एक–एक (कुल दो) दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाऐंगे। 9X2=18
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित पुस्तक में से एक–एक (कुल दो) लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे। 4X2=08
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे। इसें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 403
Credits : 5
Duration of Examination : 3 Hrs.

Title : Hindi Natak Aur Rang Manch
Maximum Marks : 100
a) Semester Examination: 80
b) Sessional Assessment: 20

Syllabus for the Examination to be held in May - 2017, 2018 & 2019

व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तकें

1. जयशंकर प्रसाद — चन्द्रगुप्त।
2. मोहन राकेश — आधे अधूरे।
3. भुवनेश्वर — तांबे की कीड़े।

पाठ्यक्रम का विवरण

1. प्रसाद की नाट्य दृष्टि और 'चन्द्रगुप्त'।
2. 'चन्द्रगुप्त' की ऐतिहासिकता।
3. 'चन्द्रगुप्त' की रंगमंचीयता।
4. 'चन्द्रगुप्त' की नाट्य कला।
5. 'आधे अधूरे' में तनाव और अलगाव।
6. 'आधे अधूरे' में चित्रित आधुनिक मध्यवर्गीय जीवन।
7. "आधे–अधूरे' की पात्र परिकल्पना।
8. 'आधे अधूरे' की रंगमंचीयता।
9. असंगत नाटक की विशेषताओं के संदर्भ में 'तांबे के कीड़े'।
10. 'तांबे के कीड़े' की प्रतीक योजना।
11. 'तांबे के कीड़े' की भाषिक विशेषता।
12. तांबे के कीड़े' की रंगमंचीयता।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा —

1. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित नाटक से एक–एक सप्रसंग व्याख्या। 7X3=21
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उतरापेक्षी प्रश्न। 10X3=30
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उतरापेक्षी प्रश्न। 5X3=15
4. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अति लघु उतरापेक्षी प्रश्न। 3X3=09
5. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X5=05

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 404 | **Title : Prayojan Moolak Hindi**
Credits : 3 | **Maximum Marks : 50**
Duration of Examination : 2½ Hrs. | **a) Semester Examination: 40**
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the Examination to be held in May - 2017, 2018 & 2019

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

1. जनसंचार — अर्थ और स्वरूप।
2. श्रव्य माध्यम — रेडियो का विकास, श्रव्य माध्यम में भाषा की प्रकृति, रेडियो नाटक, साहित्यिक विधाओं का रेडियो में रूपान्तरण।
3. दृश्य–श्रव्य माध्यम — टी.वी. और सिनेमा का विकास, दृश्य –श्रव्य माध्यम में भाषा की प्रकृति, टी.वी. नाटक और धारावाहिक, पटकथा लेखन।
4. श्रव्य और दृश्य–श्रव्य माध्यम की भाषा प्रकृति में अन्तर, रेडियो और टी.वी. नाटक में अन्तर।
5. रेडियो और टी.वी., सिनेमा के लिए रूपान्तरण की प्रक्रिया में अन्तर।

प्रश्नपत्र का स्वरूप इस प्रकार होगा —

1. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दो दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाऐंगे। 10X2=20
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दो लघु उत्तर पूछे जायेंगे। 5X2=10
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ दो अति लघु प्रश्न पूछे जायेंगे। 3X2=06
4. चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे जिनका कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 405 | **Title : Hindi Bhasha Ka Itihas**
Credits : 5 | **Maximum Marks : 100**
Duration of Examination : 3 Hrs. | **a) Semester Examination: 80**
b) Sessional Assessment: 20

Syllabus for the Examination to be held in May - 2017, 2018 & 2019

पाठ्यक्रम का विवरण

इकाई —1 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

— प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं — वैदिक संस्कृत और संस्कृत।

— मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ — पालि, प्राकृत (शौरसेनी, अद्ध मागधी एवं मागधी), अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं।

— आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ — सिन्धी, लहेंदा, पंजाबी, गुजराती, मराठी, बंगला, असमी, उड़ियसा और हिन्दी।

इकाई —2 हिन्दी का भौगोलिक विस्तार

— हिन्दी की उपभाषाएं — पश्चिमी, हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी और पहाड़ी।

— खड़ी बोली, अवधी और ब्रज की विशेषताएँ।

इकाई —3

— हिन्दी शब्द रचना — उपसर्ग, प्रत्यय एवं समास।

— हिन्दी की रूप–रचना — लिंग, वचन और कारक, व्यवस्था के संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप।

इकाई —4

— हिन्दी भाषा के विविध रूप — हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी और हिन्दुस्तानी।

— हिन्दी भाषा प्रयोग के विविध रूप — सम्पर्क भाषा, राज भाषा, राष्ट्र–भाषा, माध्यम भाषा एवं संचार भाषा।

इकाई —5

— हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

— देवनागरी लिपि — विशेषताएं एवं मानकीकरण।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा।
11X4=44

2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा।
5X4=20

3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा।
3X4=12

4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे, इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

नोट — विद्यार्थियों को चार दीर्घ, चार लघु, चार अति लघु एवं चार वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 406
Credits : 3
Duration of Examination : 2½ Hrs.

Title : Asmitamoolak Sahitya
Maximum Marks : 50
a) Semester Examination: 40
b) Sessional Assessment: 10

Syllabus for the Examination to be held in May - 2017, 2018 & 2019

निर्धारित पुस्तकें

1. जूठन — ओम प्रकराश वाल्मिकी।
2. शृंखला की कड़ियां — महादेवी वर्मा (हमारी शृंखला की ड़ियां, नारीत्व का अभिशाप, आधुनिक नारी, हमारी समस्याएं)।

पाठ्यक्रम का विवरण

1. हिन्दी साहित्य में दलित लेखन — दशा, दिशा एवं संभावनाएँ।
2. दलित विमर्श और दलित चेतना।
3. जूठन में दलित जीवन की समस्याएँ और दलित चेतना।
4. दलित आत्मकथाओं में जूठन का स्थान।
5. स्त्री की सामाजिक स्थिति और स्त्री विमर्श।
6. भारत में स्त्री लेखन का इतिहास — दशा, दिशा एवं संभावनाएँ।
7. स्त्रीवादी चिन्तन की परम्परा और महादेवी वर्मा का स्थान।
8. शृंखला की कड़ियाँ में स्त्री जीवन की समस्याएँ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. पहला प्रश्न सप्रसंग व्याख्या का होगा। इसमें प्रत्येक पुस्तक में से शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अवतरण दिया जाएगा। 5X2=10
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित पुस्तक से सम्बन्धित एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाऐंगे। 9X2=18
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ प्रत्येक निर्धारित पुस्तक से सम्बन्धित एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछे जाएंगे। 4X2=08
4. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाऐंगे। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. दलित विमर्श — डॉ. नरसिंह दास वणकर।
2. भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य : स. पुन्नी सिंह, कमला प्रसाद, राजेन्द्र शर्मा।
3. दलित हस्तक्षेप : रमणिका गुप्ता।
4. स्त्री उपेक्षिता : प्रभा खेतान।
5. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास :सुमन राजे।

DETAILED SYLLABUS

Course Code : Hin - 407 | **Title : Folk Lore**
Credits : 5 | **Maximum Marks : 100**
Duration of Examination : 3 Hrs. | **a) Semester Examination: 80**
b) Sessional Assessment: 20

(Only for Distance Learners)

Syllabus for the Examination to be held in May - 2017, 2018 & 2019

पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तक

"गीत–धरा अम्बर के" संपादक : डॉ. ओम प्रकाश गुप्त

पाठ्यक्रम का विवरण

1. लोक साहित्य की परिभाषा, क्षेत्र तथा विशेषताएं।
2. लोक कथा की परिभाषा, विशेषताएं तथा लोक कथा में कथा–अभिप्रायों की स्थिति।
3. लोकगीत की परिभाषाएं, विशेषताएं, लोकगीतों के विषयगत तथा संरचनागत प्रकार।
4. मंत्र, लोकमानस, लोकोक्ति, लोकनाट्य डोगरी लोक साहित्य के संदर्भ में।
5. लोकगाथा, परिभाषा, स्वरूप, विशेषताएं।
6. शिष्ट साहित्य और लोक साहित्य।
7. लोक साहित्य और लोक संस्कृति का अंतरावलंबन।
8. हिन्दी साहित्य के अध्ययन में लोक साहित्य का महत्व।
9. डोगरी लोकगीतों में श्रृंगार चित्रण।
10. डोगरी लोकगीतों में प्रकृति चित्रण।
11. डोगरी लोकगीतों में सामाजिक जीवन का चित्रण।
12. डोगरी लोकगीतों में संस्कृति का चित्रण।

संस्तुत पुस्तकें

1. लोक–साहित्य विज्ञान — सत्येन्द्र।
2. लोक–साहित्य की भूमिका — कृष्णदेव उपाध्याय।
3. लोक–साहित्य — एक निरूपण — रामचन्द्र बोहरा।

4. लोक–साहित्य और संस्कृति — दिनेश्वर प्रसाद।
5. लोक–साहित्य — सिद्धान्त और प्रयोग — जीराम शर्मा
6. लोक–साहित्य — जगदम्बा प्रसाद पांडेय

प्रश्नपत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा :–

1. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ निर्धारित पुस्तक से एक–एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 8X2=16
2. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 11X3=33
3. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 6X3=18
4. शत–प्रतिशत विकल्प के साथ एक–एक अति लघु उत्तरापेक्षी प्रश्न पूछा जाएगा। 3X3=9
5. पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित चार वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे, इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। 1X4=04

कुल जोड़ — 80